Contents

: अनुक्रमणिका :

===========

अध्याय - एक : विषय-प्रवेश : § पृ० 001 से 061 §

===

प्रास्ताविक — उपन्यास और यथार्थ — उपन्यास और मानवीय समस्याएँ — युगबोध युगबोध और मानवीय समस्याएँ — हिन्दी उपन्यास के विकास के विभिन्न सोपान : /क/ पूर्व-प्रेमचंदकाल §सन् 1878-1918 ई. § , /ख/ प्रेमचंदकाल § सन् 1918-1936 ई. § तथा प्रेमचन्दोत्तरकाल §सन् 1936- अद्यावधि § — प्रेमचन्दोत्तरकाल : /1/ स्वतंत्रता-पूर्व तक § सन् 1936- 1947 ई. § , /2/ स्वातंत्र्योत्तरकाल § सन् 1947- 1960 ई. § , /3/ साठोत्तरी उपन्यास §सन् 1961- 1980 ई. § तथा /4/ समकालीन उपन्यास § 1980- अद्यावधि § — वेश्या-समस्या : स्वरूप - विवेचन —— निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय - दो : वेश्या-जीवन के विभिन्न आयाम §पृ. 62- 131 §

===

प्रास्ताविक — वेश्याः परिभाषा और व्याख्या — वेश्यावृत्ति के कारण — /1/ आर्थिक , /2/ नारी की आर्थिक पराश्रितता , /3/ स्त्री का विपुलवासनावती और पुरुष § पति § का असमर्थ होना होना, /4/ विवाह-विच्छेद , /5/ पारिवारिक स्थितियाँ , /6/ दहेज-प्रथा , /7/ विधवा-विवाह पर रोक , /8/ दुःखी वैवाहिक जीवन , /9/ कुमार्ग में पड़ी लड़कियों की संगत , /10/ प्रेम-वंचना , /11/ माता-पिता के कुसंस्कार , /12/ पति की नपुंसकता , /13/ अनैतिक व्यापार , /14/ बुरा पड़ौस , /15/ अनमेल विवाह , /16/ दिमागी कमजोरी , /17/ सामाजिक कुरीतियाँ , /18/ आसान ऋण से कर्ज-

दार होते जाना , /19/ युद्ध , /20/ डा. एस. डी. पुणेकर की रिपोर्ट — /क/ दूषित प्रभाव , दूषित पर्यावरण तथा निम्न जीवन-मूल्य /ख/ अज्ञान , /ग/ निर्धनता और निराश्रयता , /घ/ सगे-सम्बन्धियों , पति या संरक्षक द्वारा दुर्व्यवहार , /च/ छल-कपट , दूषित यौन-सम्बन्ध , अपहरण , बलात्कार , अवैध गर्भधारण ; /छ/ दुखी वैवाहिक जीवन , पति द्वारा ~~विश्वास~~ विश्वासघात और परित्याग ; /ज/ यौन आवश्यकता और उत्सुकता । /21/ विलियम बोंगर का मत -- /क/ अनैतिक वातावरण , /ख/ जल्दी नौकरी पर लगना , /ग/ अवैध मातृत्व , /घ/ गरीबी और /च/ निहित स्वार्थ । /22/ विडियो सीडी का दुरुपयोग आदि-आदि ।

: वेश्यावृत्ति के कुछ अन्य कारक — औद्योगीकरण , नगरीकरण , मनोवैज्ञानिक कारक , धार्मिक कारक ।

वेश्यावृत्ति के दुष्प्रभाव : /1/ नारी जाति का अपमान , /2/ व्यक्तित्व का विघटन , /3/ पारिवारिक विघटन , /4/ सामाजिक विघटन, /5/ नैतिक अधःपतन , /6/ अपराध-वृद्धि , /7/ आर्थिक हानि और यौनरोग का आक्रमण ।

भारत में वेश्यावृत्ति -- मुंबई की वेश्याओं पर किया गया अध्ययन -- आल इण्डिया मोरल एण्ड सोशल हाइजीन एसोसियेशन का सर्वेक्षण — वेश्याओं के प्रकार : §क§ कामसूत्र का आधार , §ख§ समाजशास्त्रीय आधार और §ग§ आर्थिक आधार ।

निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय - तीन : वेश्या-जीवन पर आधारित हिन्दी उपन्यास §।§ पृ. 132- 220 §

==

प्रास्ताविक — चर्चित उपन्यास : /1/ परीक्षागुरु , /2/ आदर्श हिन्दू , /3/ स्वर्गीय कुसुम , /4/ मां , /5/ अंधेरी गली का मकान , /6/सेवासदन , /7/ बुधुआ की बेटी , /8/ जनानी सवारियां , /9/ चम्पाकली , X 10/ हिज हाईनेस , /11/ मयखाना , /12/

तीन इक्के , /13/ प्रेत और छाया , /14/ पर्दे की रानी , /15/ घरौंदे , /16/ कब तक पुकारूं , /17/ शेखर : एक जीवनी ।
निष्कर्ष : संदर्भानुक्रम ।

अध्याय - चार : वेश्या-जीवन पर आधारित हिन्दी उपन्यास §2§
§ पृ. 221 - 328 §
==

प्रास्ताविक — चर्चित उपन्यास : /1/ त्यागपत्र , x2xx[illegible]xxxxxx x2x /2/ मुक्तिबोध , /3/ व्यतीत , /4/ दशार्क , /5/ मैला आंचल , /6/ सूखता हुआ तालाब , /7/ रेखा , /8/ नदी फिर बह चली , /9/ इमरतिया , /10/ कांचघर , /11/ आगामी अतीत , /12/ मछली मरी हुई , /13/ बोरीवली से बोरीबन्दर तक , /14/ रामकली , /15/ किस्सा नर्मदाबेन गंगूबाई , /16/ कबूतरखाना , /17/ मुरदाघर , /18/ अल्मा कबूतरी , /19/ सलाम आखिरी ।
अन्य उपन्यास : गोदान , ग़बन , कंकाल , तीन वर्ष , अप्सरा , शराबी , काजर की कोठरी , स्वर्णमयी , हृदय का कांटा , मास्टर साहब , इन्दुमती , [illegible] पतन , मंगल प्रभात , घृणामयी अवसान , दिन के तारे , चढ़ती धूप , नदी नहीं मुड़ती , छाया मत छूना मन, प्रेम अपवित्र नदी , पतझर की आवाजें , बंटता हुआ आदमी , ढहती दीवारें , कृष्ण कली , जल टूटता हुआ आदि-आदि ।
निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय- पांच : आलोच्य उपन्यासों के आधार पर वेश्याओं की विभिन्न कोटियां और उनके जीवन की प्रमुख समस्याएं § पृ. 329-397 §
==

प्रास्ताविक — वेश्याओं की विभिन्न कोटियां — §क§ शास्त्रीय आधार पर , §ख§ परिवेश के आधार पर , §ग§ लालबत्ती विस्तार की वेश्याएं , §घ§ हाई-फाई सोसायटी की वेश्याएं , §च§ धार्मिक व राजनीतिक क्षेत्र की वेश्याएं ।
§क§ शास्त्रीय आधार पर वेश्याओं के प्रकार — लगभग पन्द्रह —

/1/ वेश्याओं का प्रकट समूह, /2/ वेश्याओं का अप्रकट समूह, /3/ काल-गर्ल्स, /4/ होटल-वेश्याएं, /5/ रखैल वेश्याएं, /6/ वंशानुगत वेश्याएं, /7/ वासनापीड़ित वेश्याएं, /8/ अपराधी एवं पिछड़ी, विचरणशील जन-जातियों की वेश्याएं, /9/ परिस्थितिजन्य वेश्याएं, /10/ धार्मिक वेश्याएं, /11/ पुरुष वेश्याएं, /12/ बार-गर्ल्स वेश्याएं, /13/ मसाज वेश्याएं, /14/ प्रच्छन्न वेश्याएं और /15/ गौनहारिन वेश्याएं।

(ख) परिवेश के आधार पर -- दो कोटियां : /1/ ग्रामीण और /2/ नगरीय।

(ग) लालबत्ती विस्तार की वेश्याएं — छः प्रकार -- /1/ झोंपड-पट्टी की वेश्याएं, /2/ लाइनवालियां, /3/ कमरेवालियां, /4/ अधिया-सिस्टम पर चलने वाली वेश्याएं, /5/ फ्लाइंग वेश्याएं, /6/ कोठेवालियां।

(घ) हाई-फाई सोसायटी की वेश्याएं — नृत्यांगना या तवायफ, कुलीन धनाढ्य घरानों की महिलाएं जो शौक और अतिरिक्त कमाई के लिए शौकिया वेश्यागिरी करती हैं, कालगर्ल, मोडलिंग और फिल्म क्षेत्र की लड़कियां, सिंगापोर की मसाज वेश्याएं।

(च) धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र की वेश्याएं : /क/ धार्मिक क्षेत्र की — 1. देवदासियां, 2. साधुआइनें और 3. धर्मानुयायी संपन्न-कुलीन घरानों की महिलाएं जो शौकीन होती हैं। /ख/ राजनीतिक क्षेत्र की : 1. राजनीतिक लोगों से जुड़ी हुई, 2. राजनीति के लिए प्रयुक्त और 3. राजनीतिक पार्टियों से जुड़ी हुई।

वेश्याओं की प्रमुख समस्याएं — आठ : /1/ आर्थिक, /2/ पारिवारिक, /3/सामाजिक, /4/ शारीरिक, /5/ काम-कुण्ठा-जनित, /6/ शैक्षिक, /7/ मनोवैज्ञानिक और /8/ वैधानिक या कानूनी।

निष्कर्ष : संदर्भानुक्रम।

अध्याय - छः " वेश्या-समाज : परिवेश एवं भाषा (398-474)

==

प्रास्ताविक -- वेश्या-समाज -- वेश्या-परिवेश : स्थानगत , कालगत, हाई-फाई वेश्याओं का परिवेश , और मध्यवर्गीय और निम्नवर्गीय वेश्याओं का परिवेश । वेश्याओं द्वारा प्रयुक्त भाषा : /क/ सामान्य या लेखकीय भाषा , /ख/ कोलकाता -- विशेषतः सोनागाछी की वेश्याओं की भाषा , /ग/ मुंबई की झोंपडपट्टी की वेश्याओं की भाषा और /घ/ वेश्या-समाज के कुछेक विशिष्ट शब्द । -- निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम ।

अध्याय -- सात : उपसंहार §पृ. 475- 495 §

* विषय की उपादेयता एवं उपलब्धियां ।
* समग्रावलोकन पर आधारित निष्कर्ष ।
* भविष्यत् संभावनाएं ।

संदर्भिका § Bibligeophy § : § पृ.496-503 §

§1§ परिशिष्ट - क : आलोच्य उपन्यासों की सूची ।
§2§ परिशिष्ट -ख : सहायक-ग्रन्थ सूची § हिन्दी § ।
§3§ परिशिष्ट - ~~प्रप्र~~xx ग : सहायक-ग्रन्थ सूची § अंग्रेजी § ।
§4§ परिशिष्ट -- घ : पत्र-पत्रिकाएं ।

§§§§§§§§§§§§§§§§§§§§